आनुपातिक जोखिम और एनडीआईएस अभ्यास मानक

आपातकालीन स्थिति और आपदा प्रबंधन के संदर्भ में, आनुपातिक जोखिम के सिद्धांतों को और इस बात को समझना महत्वपूर्ण है कि वे एनडीआईएस प्रतिभागियों की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करने से कैसे संबंधित हैं।

आपातकालीन स्थिति और आपदा प्रबंधन में आनुपातिक जोखिम के साथ व्यक्तिगत पसंद और नियंत्रण के एनडीआईएस के मूल सिद्धांत को संतुलित करना विकलांग व्यक्तियों की सुरक्षा, कल्याण और स्वत्व अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए अत्यावश्यक है।

सहयोगात्मक नियोजन, संचार कार्यनीतियाँ, और निरंतर सहयोग ऐसे प्रतिरोधक्षमतापूर्ण समुदायों के निर्माण में महत्वपूर्ण घटक हैं जो एनडीआईएस प्रतिभागियों सहित सभी नागरिकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

> आपातकालीन स्थिति और आपदा प्रबंधन में, आनुपातिक जोखिम यह पहचान करता है कि किसी एक प्रकार का समाधान सभी के लिए कारगर नहीं होता है, और हस्तक्षेप जोखिम के स्तर और व्यक्ति की प्राथमिकताओं के अनुपात में होने चाहिए।

इसका अर्थ लोगों की स्वतंत्रता और विकल्पों का सम्मान करते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्रत्येक व्यक्ति की जरूरतों तथा परिस्थितियों के लिए जोखिम प्रबंधन कार्यनीतियों को तैयार करने के बीच संतुलन बनाना है।

यह मेरे संगठन को कैसे प्रभावित करता है?

NDIS अभ्यास मानक आनुपातिक होने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। एनडीआईएस प्रदाता द्वारा प्रत्येक मानक को पूरा करने का तरीका उनके आकार, पैमाने और उनके द्वारा प्रदान किए जाने वाले सहयोग के लिए उपयुक्त होना चाहिए।

जब आप इस बात पर विचार कर रहे/ही हों कि आप आपातकालीन स्थिति और आपदा प्रबंधन के लिए एनडीआईएस अभ्यास मानक में निर्धारित अपने दायित्वों को कैसे पूरा करेंगे, तो आपको आनुपातिक जोखिम के सिद्धांतों को लागू करना चाहिए।

एनडीआईएस प्रतिभागियों को आपके द्वारा प्रदान किए जाने वाले **सहयोग के प्रकारों** पर विचार करें, यदि ये सहयोग बाधित होते हैं या प्रदान करने में असमर्थ होते हैं, तो उन्हें पेश आने वाले **जोखिम के स्तर** पर विचार करें, और उनकी **व्यक्तिगत प्राथमिकताओं** पर विचार करें कि वे किस प्रकार से अपना सहयोग किए जाना चाहते हैं।

आपको यह भी सोचने की ज़रूरत है कि व्यक्ति कौन सी अन्य सेवाएं पा रहा हो सकता है, और आपका संगठन उनकी समग्र सहयोग प्रणाली के लिए कैसे अनुकूल है।

आपातकालीन स्थिति और आपदाओं के लिए आपके संगठन की योजना में आनुपातिक जोखिम कैसे लागू किया जा सकता है, इसे बेहतर ढंग से समझने के लिए निम्नलिखित केस स्टडी पढ़ें।

एक बड़े आवासीय और सामुदायिक सहयोग प्रदाता और एक छोटे चिकित्सा सहायता प्रदाता की एक-दूसरे से विपरीत केस स्टडीज़

परिचय

यह केस स्टडी इस बात की जांच करती है कि कैसे दो एनडीआईएस प्रदाता, एक बड़ा और एक छोटा, आपात स्थितियों और आपदाओं के दौरान अपने ग्राहकों की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन योजना में आनुपातिक जोखिम दृष्टिकोण लागू करते हैं। यह स्टडी दोनों प्रदाताओं के आकार और पेश की जाने वाली सेवाओं के आधार पर उनके बीच की कार्यनीतियों और संसाधन आवंटन में अंतरों को विशिष्ट रूप से दर्शाती है।

बड़ा प्रदाता: ABC Disability Services (एबीसी विकलांगता सेवाएं)

पृष्ठभूमि

ABC Disability Services (ABC) एक बड़ा एनडीआईएस प्रदाता है जो विकलांग व्यक्तियों को आवासीय और सामुदायिक सहयोग प्रदान करता है। कई आवासीय सुविधाओं और सामुदायिक कार्यक्रमों के साथ, ABC ऑस्ट्रेलिया के कई राज्यों और राज्य-क्षेत्रों में विविध ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है।

चुनौतियाँ

ABC को अपने संचालन के पैमाने और जटिलता के कारण अपनी आपातकालीन योजना कार्यनीति विकसित करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा:

विविध ग्राहक आवश्यकताएँ: ABC विभिन्न विकलांगताओं और सहयोग आवश्यकताओं वाले व्यक्तियों की सहायता करती है, और ऐसा करने के लिए व्यापक जोखिम आकलनों और विशिष्ट रूप से तैयार की जाने वाली आपातकालीन प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता होती है।

भौगोलिक प्रसार: कई क्षेत्रों में संचालन करने का यह अर्थ था कि ABC को भौगोलिक जोखिमों पर ध्यान देने और विभिन्न स्थानों पर आपातकालीन प्रतिक्रियाओं का समन्वय करने की आवश्यकता थी।

दृष्टिकोण

एबीसी ने अपने बड़े पैमाने के संचालनों के लिए तैयार किया गया एक आनुपातिक जोखिम दृष्टिकोण अपनाया:

व्यापक जोखिम आकलन: प्रत्येक आवासीय सुविधा और सामुदायिक कार्यक्रम स्थल पर जोखिम आकलन करके पूरा किया गया, और इस दौरान संभावित खतरों, ग्राहक की अतिसंवेदनशीलताओं और सुविधा-विशिष्ट जोखिमों की पहचान की गई।

केंद्रीकृत योजना: विशिष्ट जोखिमों के आधार पर स्थानीयकृत अनुकूलन की अनुमति देते हुए सभी स्थानों पर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीकृत आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाएं और प्रोटोकॉल विकसित किए।

कर्मचारी प्रशिक्षण और समन्वय: सभी साइटों पर कर्मचारियों को व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया गया और आपात स्थितियों के दौरान संचार, संसाधन आवंटन और सहयोग को सुगम बनाने के लिए एक केंद्रीकृत समन्वय प्रणाली स्थापित की गई।

प्रौद्योगिकी एकीकरण: आपात स्थितियों के दौरान संचार, डेटा प्रबंधन और ग्राहक सहायता आवश्यकताओं की ट्रैकिंग को बढ़ाने के लिए आपातकालीन अधिसूचना प्रणालियों और इलेक्ट्रॉनिक क्लाइंट रिकॉर्ड जैसी प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना।

छोटा प्रदाता: 123 Therapy Supports (123 थेरेपी स्पोर्ट्स)

पृष्ठभूमि

123 Therapy Supports (123) एक छोटा एनडीआईएस प्रदाता है जो विकलांग व्यक्तियों के लिए चिकित्सा सहायता में विशेषज्ञता रखता है। एकल भौगोलिक क्षेत्र में संचालन करते हुए, 123 ग्राहकों को उनके घरों और सामुदायिक परिवेशों में व्यक्तिगत रूप से तैयार चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है।

चुनौतियाँ

123 को अपने छोटे आकार और सीमित संसाधनों के कारण अनोखी चुनौतियों का सामना करना पड़ा:

सीमित स्टाफ: 123 में चिकित्सकों (थेरेपिस्टों) की एक छोटी टीम थी, जिसके कारण चिकित्सा सेवा वितरण को बनाए रखते हुए आपातकालीन योजना और प्रतिक्रिया के लिए संसाधनों को आवंटित करना चुनौतीपूर्ण था।

व्यक्तिगत रूप से तैयार की जाने वाली ग्राहक आवश्यकताएँ: प्रत्येक थेरेपी क्लाइंट के विशिष्ट चिकित्सा लक्ष्य, सहायता आवश्यकताएँ और संचार प्राथमिकताएं थीं, जिनके लिए व्यक्तिगत रूप से तैयार की जाने वाली आपातकालीन योजना और प्रतिक्रिया कार्यनीतियों की आवश्यकता होती थी।

दृष्टिकोण

123 ने अपने छोटे पैमाने के संचालन के लिए तैयार किया गया एक आनुपातिक जोखिम दृष्टिकोण अपनाया:

लक्षित जोखिम आकलन: सेवा प्रदान किए जाने वाले भौगोलिक क्षेत्र के लिए विशिष्ट केंद्रित जोखिम आकलन किए, और ऐसा करते हुए स्थानीय खतरों, ग्राहक की अतिसंवेदनशीलताओं और ग्राहकों के घरों और सामुदायिक परिवेशों के लिए प्रासंगिक चिकित्सा-संबंधी जोखिमों की पहचान की गई।

व्यक्तिगत रूप से तैयार ग्राहक योजनाएँ: प्रत्येक ग्राहक के साथ एक आपातकालीन प्रबंधन योजना की आवश्यकता पर चर्चा की और लोगों को खुद से ऐसा करने में सहायता देने के लिए उपलब्ध संसाधनों के लिए रेफर (संदर्भित) किया। प्रत्येक चिकित्सा ग्राहक के लिए वैकल्पिक सहायता व्यवस्थाओं को दस्तावेज़ी रूप दिया, और ऐसा करते हुए आपात स्थितियों के दौरान तथा इनके पश्चात उनके चिकित्सा लक्ष्यों, गतिशीलता संबंधी सीमाओं, संचार प्राथमिकताओं और सहायता आवश्यकताओं पर विचार किया। अन्य संगठनों का विवरण प्रदान किया जो उन लोगों को व्यापक व्यक्तिगत रूप से तैयार योजनाओं को विकसित करने में सहायता कर सकते हैं जिन्होंने यह दर्शाया कि वे यह चाहते थे या जिन्हें विशेष तौर पर अतिसंवेदनशील माना गया था।

सामुदायिक साझेदारियाँ: चिकित्सा सेवा वितरण को प्रभावित करने वाली आपात स्थितियों के दौरान पारस्परिक सहायता, संसाधन साझाकरण और सहयोग को बढ़ाने के लिए स्थानीय स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और अन्य चिकित्सा प्रदाताओं के साथ साझेदारियाँ स्थापित की।

कर्मचारी सशक्तिकरण: अपने स्थानीय समुदायों के भीतर आपात स्थितियों पर प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया करने के लिए चिकित्सकों को प्रशिक्षण और संसाधनों के साथ सशक्त किया, और ऐसा करते हुए शीघ्रता से फैसले लेने, ग्राहक-केंद्रित देखभाल और व्यक्तिगत ग्राहक आवश्यकताओं के अनुकूलन पर जोर दिया।

परिणाम

ABC और 123 दोनों ने अपने आपातकालीन नियोजन प्रयासों में आनुपातिक जोखिम दृष्टिकोण को सफलतापूर्वक लागू किया:

ABC ने कई स्थानों पर अपने बड़े पैमाने के संचालनों और विविध ग्राहक आधार की जटिलताओं पर ध्यान देने के लिए प्रभावी केंद्रीकृत योजना और समन्वय का प्रदर्शन किया।

123 ने लक्षित जोखिम आकलनों, व्यक्तिगत रूप से तैयार ग्राहक योजनाओं और सामुदायिक भागीदारी को प्रदर्शित किया ताकि चिकित्सा से संबंधित जोखिमों पर ध्यान दिया जाए और अपने छोटे सेवा क्षेत्र के भीतर ग्राहक-केंद्रित आपातकालीन प्रतिक्रियाओं को सुनिश्चित किया जाए।

निष्कर्ष

आकार और पेश की जाने वाली सेवा में अंतरों के बावजूद, बड़े और छोटे दोनों एनडीआईएस प्रदाता अपने ग्राहकों की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन योजना में आनुपातिक जोखिम दृष्टिकोणों को प्रभावी ढंग से लागू कर सकते हैं। अपने विशिष्ट संदर्भों और संसाधनों के लिए कार्यनीतियों को तैयार करके, प्रदाता ग्राहक-केंद्रित देखभाल और सामुदायिक प्रतिरोधक्षमता को बढ़ावा देते हुए आपातकालीन से जुड़ी तैयारी और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ा सकते हैं।

एनडीआईएस गुणवत्ता और सुरक्षा आयोग के अनुदान कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषित